This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1214**

Unique Paper Code : **205302** **F**

Name of the Paper : **Sahitya-Chintan 2**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. एकांकी को परिभाषित करते हुए एकांकी के तत्वों का विवेचन कीजिए । 15

अथवा

उपन्यास के तत्व **अथवा** आख्यानपरक कविता की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

2. किसी **एक** पर टिप्पणी कीजिए : 7

(क) मुक्तछंद

(ख) रेखाचित्र ।

3. साहित्य में लोकमंगल की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । 10

अथवा

बिम्ब से आप क्या समझते हैं ? उसके प्रकारों को सोदाहरण समझाइए ।

P.T.O.

4. आधुनिकता एवं आधुनिक बोध को स्पष्ट कीजिए । 10

अथवा

काव्यानुभूति की अवधारणा पर प्रकाश डालिए ।

5. विभावन व्यापार से आप क्या समझते हैं ? 10

अथवा

सहानुभूति और स्वानुभूति के अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

6. 'प्रगतिशील साहित्य और भाषा की समस्या' निबंध के आधार पर प्रगतिशील साहित्य की अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए । 15

अथवा

'साहित्य का उद्देश्य' निबंध के आधार पर प्रेमचंद की साहित्यिक दृष्टि स्पष्ट कीजिए ।

7. 'आधुनिकता का प्रश्न : साहित्य के संदर्भ में' शीर्षक निबंध के माध्यम से डॉ. नगेंद्र आधुनिकता की चेतना को किस रूप में व्याख्यायित करते हैं ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए । 4+4

अथवा

निम्नांकित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमें सुंदरता की कसौटी बदलनी होगी । अभी तक यह कसौटी अमीरी और विलासिंत के ढंग की थी । हमारा कलाकार अमीरों का पल्ला पकड़े रहना चाहता था, उन्हीं की कद्रदानी पर उसका अस्तित्व अवलम्बित था और उन्हीं के सुख-दु:ख, आशा-निराशा, प्रतियोगिता और प्रतिद्वन्द्विता की व्याख्या कला का उद्देश्य था । उसकी निगाह अन्त:पुर और बंगलों की

ओर उठती थी । झोंपड़े, खंडहर उसके ध्यान के अधिकारी न थे । उन्हें वह मनुष्यता की परिधि से बाहर समझता था । कभी इनकी चर्चा करता था, तो इनका मजाक उड़ानें के लिए, ग्रामवासी की देहाती वेश-भूषा और तौर-तरीकों पर हंसने के लिए । उसका शीन-काफ़ दुरुस्त न होना या मुहावरों का गलत उपयोग उसके व्यंग्य-विद्रूप की स्थायी सामग्री थी । वह भी मनुष्य है, उसके भी हृदय है और उसमें भी आकांक्षाएँ हैं—यह कला की कल्पना से बाहर की बात थी । (*साहित्य का उद्देश्य : प्रेमचंद*)

(क) वह कैसी कसौटी है जिसे बदलने की बात प्रेमचंद कर रहे हैं ?

(ख) उक्त कसौटी को बदलने की जरूरत वे क्यों महसूस करते हैं ? 4+4=8